

ईश्वरीय  
खजाना  
टीम  
*Presents*

# विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की  
भिन्न भिन्न युक्तियाँ  
बाबा की रोज  
जैसे मीठी थपकी है  
अन्तर्मन में  
जो समा ले इसे  
जीवन में उसकी सफलता  
शत प्रतिशत पक्की है...

AAJ KA SWAMAAN

मैं दुआ और दवा द्वारा तन और  
मन की बीमारी से मुक्त रहने वाली  
सदा सन्तुष्ट आत्मा हूँ।





**वरदानी समय पर भी वरदान  
नहीं लेंगे तो और किस समय  
लेंगे? समय समाप्त हुआ  
और समय प्रमाण यह समय  
की विशेषतायें भी सब  
समाप्त हो जायेंगी।**



## श्रेष्ठ प्रेरणा



जब हम बिना किसी अपेक्षा के दूसरों की सेवा करते हैं... तो इससे स्वतः ही दुआओं तथा श्रेष्ठ भाग्य का खज़ाना जमा होता है... इसलिए परमात्मा की याद में... दूसरों की निःस्वार्थ सेवा करके अपना श्रेष्ठ भाग्य बनाएं...।



**Download App - Learn Rajyoga Meditation**



# SAMARPAN

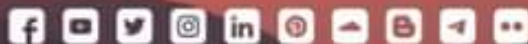
जैसे आदि में सभी आदि रत्नों ने उमंग उत्साह से तन-मन-धन, समय-सम्बन्ध, दिन-रात बाप के हवाले अर्थात् बाप के आगे समर्पण किया, जिस समर्पण के उमंग-उत्साह के फलस्वरूप सेवा में शक्तिशाली स्थिति का प्रत्यक्ष रूप देखा। जब सेवा का आरम्भ किया तो सेवा के आरम्भ में और स्थापना के आरम्भ में, दोनों समय यह विशेषता देखी। आदि में ब्रह्मा बाप चलते-फिरते साधारण दिखते थे वा कृष्ण रूप में दिखाई देते थे? साधारण रूप देखते भी नहीं दिखाई देता था यह अनुभव है ना! दादा है यह सोचते थे? चलते-फिरते कृष्ण ही अनुभव करते थे। ऐसे किया ना? आदि में ब्रह्मा बाप में यह विशेषता देखी, अनुभव की और सेवा की आदि में जब भी जहाँ भी गये, सबने देवियाँ ही अनुभव किया। देवियाँ आई हैं, यही सबके बोल सुनते, यही सभी के मुख से निकलता कि यह अलौकिक व्यक्तियाँ हैं। ऐसे ही अनुभव किया ना? यह देवियों की भावना सभी को आकर्षित कर सेवा की वृद्धि के निमित्त बनी। तो आदि में भी न्यारेपन की विशेषता रही। सेवा की आदि में भी न्यारेपन की, देवी पन की विशेषता रही। अभी अन्त में वही झलक और फलक प्रत्यक्ष रूप में अनुभव करेंगे। तब प्रत्यक्षता के नगाड़े बजेंगे। अभी रहा हुआ थोड़ा-सा समय 'निरन्तर योगी, निरन्तर सेवाधारी, निरन्तर साक्षात्कार स्वरूप, निरन्तर साक्षात् बाप' - इस विधि से सिद्धि प्राप्त करेंगे। गोल्डन जुबली मनाई अर्थात् गोल्डन दुनिया के साक्षात्कार स्वरूप तक पहुँचे। जैसे गोल्डन जुबली मनाने के दृश्य में साक्षात् देवियाँ अनुभव किया, बैठने वालों ने भी, देखने वालों ने भी। चलते-चलते अब यही अनुभव सेवा में कराते रहना। यह है गोल्डन जुबली मनाना। सभी ने गोल्डन जुबली मनाई या देखी? क्या कहेंगे? आप सबकी भी गोल्डन जुबली हुई ना। या कोई की सिल्वर हुई, कोई की तांबे की हुई। सभी की गोल्डन जुबली हुई। गोल्डन जुबली मनाना अर्थात् निरन्तर गोल्डन स्थिति वाला बनना। अभी चलते फिरते इसी अनुभव में चलो कि - 'मैं फरिश्ता सो देवता हूँ'। दूसरों को भी आपके इस समर्थ स्मृति से आपका फरिश्ता रूप वा देवी-देवता रूप ही दिखाई देगा। गोल्डन जुबली मनाई अर्थात् अभी समय को, संकल्प को, सेवा में अर्पण करो। अभी यह समर्पण समारोह मनाओ। स्व की छोटी-छोटी बातों के पीछे, तन के पीछे, मन के पीछे, साधनों के पीछे, सम्बन्ध निभाने के पीछे समय और संकल्प नहीं लगाओ। सेवा में लगाना अर्थात् स्व-उन्नति की गिफ्ट स्वतः ही प्राप्त होना। अभी अपने प्रति समय लगाने का समय - परिवर्तन करो। जैसे भक्त लोग श्वाँस-श्वाँस में नाम जपने का प्रयत्न करते हैं। ऐसे श्वाँस-श्वाँस सेवा की लगन हो। सेवा में मगन हो। विधाता बनो, वरदाता बनो। निरन्तर महादानी बनो। 4 घण्टे के 6 घण्टे के सेवाधारी नहीं अभी विश्व-कल्याणकारी स्टेज पर हो। हर घड़ी विश्व-कल्याण प्रति समर्पित करो। विश्व-कल्याण में स्व-कल्याण स्वतः ही समाया हुआ है। जब संकल्प और सेकण्ड सेवा में बिजी रहेंगे, फुर्सत नहीं होगी, माया को भी आने की आपके पास फुर्सत नहीं होगी। समस्यायें समाधान के रूप में परिवर्तन हो जायेंगी। -- 18-02-1986

*Vidhi Se Siddhi*

While uplifting  
others, I was  
also uplifting  
myself by the  
kindness I had  
inside of me.



BRAHMA KUMARIS



During Pranayam, Yoga, Exercise or Walk,  
Focus on the Mind along with the Body.



Inhale – “I am a peaceful, powerful soul.”

Exhale – “I throw out irritation and anger.”

Inhale – “I am a loveful soul, I respect all.”

Exhale – “I release toxins of past hurt.”

**Our Thoughts Radiate to every Cell of our Body.**



## **Brahma Kumaris Websites**

Main BK website [www.shivbabas.org](http://www.shivbabas.org) OR  
[www.brahmakumari.org](http://www.brahmakumari.org) (by SBS team)

Int'l website: [www.brahmakumaris.org](http://www.brahmakumaris.org)

India website: [www.brahmakumaris.com](http://www.brahmakumaris.com)

BK Sustenance website:  
[www.bksustenance.net](http://www.bksustenance.net)

All Data hosted on [www.bkdrluhar.com](http://www.bkdrluhar.com)

Murli Websites: [babamurli.net](http://babamurli.net)  
and [madhubanmurli.org](http://madhubanmurli.org)

[www.omshantimusic.net](http://www.omshantimusic.net)

[www.bkgoogle.org](http://www.bkgoogle.org)

[www.bksewa.org](http://www.bksewa.org)

[www.bkinfo.in](http://www.bkinfo.in)

[www.bk.ooo](http://www.bk.ooo)

[www.brahmakumari.org/centres](http://www.brahmakumari.org/centres)

NEW

[www.IshvariyaKhajana.BKhq.org](http://www.IshvariyaKhajana.BKhq.org)